भगवान शिव शंकर जी की आरती - ॐ जय शिव ओंकारा

ॐ जय शिव ओंकारा, प्रभु हरे शिव ओंकारा ।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा ॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

एकानन चतुरानन पंचानन राजे ।
हंसानन गरुड़ासन वृषवाहन साजे ॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

दो भुज चार चतुर्भुज दसभुज अति सोहे ।
तीनों रूप निरखता त्रिभुवन मन मोहे ॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धारी ।
चंदन मृगमद सोहे भोले शुभकारी ॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे ।
ब्रह्मादिक सनकादिक भूतादिक संगे ॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

कर के मध्य कमण्डल चक्र त्रिशूलधारी ।
सुखकारी दुखहारी जगपालन कारी ॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव जानत अविवेका ।
प्रणवाक्षर के मध्ये ये तीनों एका ॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

त्रिगुण स्वामी जी की आरती जो कोइ नर गावे ।
कहत शिवानन्द स्वामी, मनवान्छित फल पावे ॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

ॐ जय शिव ओंकारा, प्रभु हरे शिव ओंकारा ।
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्द्धांगी धारा ॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

Aartiyan.com